would like to draw your attention to the special policy implemented by the Indian Railways which recognizes the need for continued training and development of sportspersons. The Indian Railways offer Special Casual Leaves and incentives, such as, cash awards, out-of-turn promotions, and increments to meritorious athletes to boost their morale. I propose that the DoPT order, dated 16/07/1980 be suitably amended.

MR. CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shrimati P.T. Usha: Dr. John Brittas (Kerala), Shri Jose K. Mani (Kerala), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), and Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra).

Need to address the Issues related to environmental protection

डा. दिनेश शर्मा (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति महोदय, मुझे पर्यावरण संरक्षण से जुड़े मुद्दे को सदन के समक्ष उठाने की अनुमति प्रदान करने के लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। महोदय, पृथ्वी के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए जल, वायु और पर्यावरण का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान में हम ऐसे समय से गुज़र रहे हैं, जहां पर्यावरण से जुड़े गंभीर संकट उत्पन्न हो रहे हैं। ये संकट हमारी जीवन शैली औद्योगिक प्रदूषण और अनियंत्रित शहरीकरण के कारण और अधिक जटिल हो रहे हैं। विशेष रूप से जल संकट की स्थिति चिंताजनक है। विश्व के कुल पेयजल का चार प्रतिशत हिस्सा ही भारत में बच्चा है, जबकि जनसंख्या विश्व की जनसंख्या के कुल 70 प्रतिशत भारत की है। इससे स्पष्ट है कि भारत में जल संसाधन बहुत सीमित हैं और उन पर अत्यधिक दबाव है। इसके अतिरिक्त जल संसाधनों का अति उपयोग और उपेक्षा के कारण पीने योग्य जल का स्तर निरंतर घट रहा है, जिससे भविष्य में जल संकट और गहरा हो सकता है। इसी प्रकार वैश्विक ताप वृद्धि, ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव हमारे पर्यावरण संतुलन पर भी गंभीर रूप से पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा, सर्दी और गर्मी का सामान्य चक्र असामान्य हो गया है। अब सर्दी के समय भी गर्मी का अनुभव होता है और वर्षा के मौसम में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इस बदलते मौसम का सीधा प्रभाव न केवल फसलों पर पड़ रहा है, बल्कि जीवन की विविधता में भी संकट है। अनेक वन्यजीव विलुप्ति की कगार पर हैं और पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन गंभीर रूप से बिगड़ रहा है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमें ठोस कदम उठाने होंगे। जल संरक्षण के लिए जल संचयन को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे जल स्रोतों का पुनर्भरण हो सके। इसके अतिरिक्त अंधाधुंध वृक्षों की कटाई पर रोक लगाना चाहिए, अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए, ताकि वायुमंडल में ऑक्सीजन का संतुलन बना रहे और पर्यावरण संतुलित रहे। हमें अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव करके जल और पर्यावरण की

रक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ानी चाहिए। इसके साथ ही ऊर्जा के स्रोतों को सतत् विकास की ओर केंद्रित करना होगा, जिससे ऊर्जा का उपयोग संतुलित और नियंत्रित तरीके से किया जा सके।

माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से निवेदन करता हूं कि कृपया इस विषय पर गंभीरतापूर्वक ध्यान देते हुए आवश्यक कदम उठाएं, ताकि हम न केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए, बल्कि आने वाली पीढियों के लिए भी एक स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित पर्यावरण का निर्माण कर सकें, धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Dr. Dinesh Sharma: Shri Jose K. Mani (Kerala), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh), Shri Rambhai Harjibhai Mokariya (Gujarat), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), and Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra).

REGARDING CONCERNS OF FARMERS

श्री प्रमोद तिवारी (राजस्थान) : सर, धरती का भगवान अन्नदाता है। उसके ऊपर लाठियां चल रही हैं, उससे जो वादा न्यूनतम समर्थन मूल्य का किया गया था, वह पूरा नहीं हुआ। उससे जो देने के लिए कहा गया था, कुछ नहीं किया गया। यह सरकार किसानों की [£] है ।

MR. CHAIRMAN: [£] word is unparliamentary. It is expunged.

श्री प्रमोद तिवारी : ठीक है। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य दें। आज हमारी आवाज़ को तो ऊपर से संवैधानिक पदों पर बैठे हुए लोग भी बल दे रहे हैं। हम आपको धन्यवाद दे रहे हैं कि आपने हमारी आवाज़ को उठाया है, इसके लिए हम कृतज्ञता अर्पित करते हैं। आप इस सरकार को निर्देश दीजिए कि जो वायदे किए थे, उन्हें पूरा करे, खास तौर से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर हम इनसे जवाब चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)...

MR.CHAIRMAN: Dr. John Brittas associated himself with the submission made by Shri Pramod Tiwari. Dr. Ashok Kumar Mittal; Need for banking sector reforms in India. ...(*Interruptions*)...

[£] Expunged as ordered by the Chair.